

VIDYASAGAR UNIVERSITY



Curriculum for 3-year B.A (Honours)

Hindi

**Revised Syllabus under CBCS
(w. e. f. 2022-2023)**

**Vidyasagar University
Midnapore 721102
West Bengal**

VIDYASAGAR UNIVERSITY
B.A (Honours) in Hindi
Under Choice Based Credit System (CBCS)

Year	Semester	Course Type	Course title	Credit	L-T-P	Marks		
		SEMESTER – I						
1ST YEAR	1stSemester	CC – 1	C1T: हिन्दी साहित्य : आदिकाल से पूर्व मध्यकाल - रचनाएँ व इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		CC – 2	C2T: हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		GE – 1	<i>TBD (from other discipline)</i>	6	5-1-0 / 4-0-4	15	60	75
		AECC –1	English/MIL	2	1-1-0	10	40	50
		SEMESTER – I : TOTAL			20			
	SEMESTER – II							
	2ndSemester	CC – 3	C3T: हिन्दी साहित्य : भातेन्दु युगीन कविता से छायावादी कविता तक – रचनाएँ व इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		CC – 4	C4T: हिन्दी साहित्य : प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक- रचनाएँ व इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		GE – 2	<i>TBD (from other discipline)</i>	6	5-1-0 / 4-0-4	15	60	75
		AECC - 2	Environmental Studies	4		20	80	100
SEMESTER – II : TOTAL			22				325	

VIDYASAGAR UNIVERSITY
B.A (Honours) in Hindi
Under Choice Based Credit System (CBCS)

Year	Semester	Course Type	Course title	Credit	L-T-P	Marks			
2nd YEAR	SEMESTER – III								
	3rd Semester	CC – 5	C5T:कथा साहित्य : कहानी एवं उपन्यास		6	5-1-0	15	60	75
		CC – 6	C6T:हिन्दी नाट्यसाहित्य		6	5-1-0	15	60	75
		CC – 7	C7T:कथेतर गद्य साहित्य		6	5-1-0	15	60	75
		SEC – 1	SEC 1T: अनुवाद कौशल		2	1-1-0	10	40	50
		GE – 3	<i>TBD (from other discipline)</i>		6	5-1-0 / 4-0-4	15	60	75
		SEMESTER – III : TOTAL			26				350
	SEMESTER – IV								
	4th Semester	CC – 8	C8T:हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास		6	5-1-0	15	60	75
		CC – 9	C9T:हिन्दी आलोचना		6	5-1-0	15	60	75
		CC - 10	C10T:हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान		6	5-1-0	15	60	75
		SEC – 2	SEC 1T: कार्यालयी हिन्दी	2	1-1-0	10	40	50	
		GE – 4	<i>TBD (from other discipline)</i>		6	5-1-0 / 4-0-4	15	60	75
		SEMESTER – IV : TOTAL			26				350

VIDYASAGAR UNIVERSITY
B.A (Honours) in Hindi
Under Choice Based Credit System (CBCS)

Year	Semester	Course Type	Course title	Credit	L-T-P	Marks			
3rd YEAR	SEMESTER – V								
	5th Semester	CC – 11	C11T: भारतीय काव्यशास्त्र		6	5-1-0	15	60	75
		CC – 12	C12T: पाश्चात्य काव्यशास्त्र		6	5-1-0	15	60	75
		DSE - 1	DSE1T: लोक साहित्य		6	5-1-0	15	60	75
		DSE – 2	DSE2T:राष्ट्रीय चेतना की कविता		6	5-1-0	15	60	75
		SEMESTER – V : TOTAL			24				300
	SEMESTER – VI								
	6th Semester	CC – 13	C13T: मीडिया के विविध आयाम		6	5-1-0	15	60	75
		CC – 14	C14T: प्रयोजनमूलक हिन्दी		6	5-1-0	15	60	75
		DSE – 3	DSE3T:राजभाषा हिन्दी	6	5-1-0	15	60	75	
		DSE – 4	DSE4T:प्रवासी साहित्य		6	5-1-0	15	60	75
		SEMESTER – VI : TOTAL			24				300
	TOTAL IN ALL SEMESTER				142				1900

CC - Core Course, **GE** - Generic Elective, **DSE** - Discipline Specific Elective, **SEC** - Skill Enhancement Course, **AECC** - Ability Enhancement Compulsory Course, **CA** – Continuous Assessment, **ESE** – End Semester Examination, **TBD** – To be decide, **CT** – Core Theory, **CP**- Core Practical, **L** - Lecture, **T** – Tutorial, **P** – Practical, **MIL** – Modern Indian Language, **ENVS** - Environmental Studies.

List of the Core Course (CC)

- CC-1 : हिन्दी साहित्य - आदिकाल से पूर्व मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास
CC-2 : हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास
CC-3 : हिन्दी साहित्य - भातेन्दु युगीन कविता से छायावादी कविता तक – रचनाएँ व इतिहास
CC-4 : हिन्दी साहित्य - प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक- रचनाएँ व इतिहास
CC-5 : कथा साहित्य - कहानी एवं उपन्यास
CC-6 : हिन्दी नाट्यसाहित्य
CC-7 : कथेतर गद्य साहित्य
CC-8 : हिन्दी साहित्य का इतिहास
CC-9 : हिन्दी आलोचना
CC-10 : हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान
CC-11 : भारतीय काव्यशास्त्र
CC-12 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र
CC-13 : मीडिया के विविध आयाम
CC-14 : प्रयोजनमूलक हिन्दी

Discipline Specific Elective (DSE)

- DSE-1 : लोक साहित्य
DSE-2 : राष्ट्रीय चेतना की कविता
DSE-3 : राजभाषा हिन्दी
DSE-4 : प्रवासी साहित्य

Skill Enhancement Course (SEC)

- SEC-1 : अनुवाद कौशल
SEC-2 : कार्यालयी हिन्दी

Generic Elective (GE)

(Interdisciplinary for the other Department)

- GE-1 : साहित्य और सिनेमा
GE-2 : लोक नाट्य परंपरा और हिन्दी
GE-3 : सृजनात्मक लेखन
GE-4 : पटकथा और संवाद लेखन

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

- MIL (Hindi) : हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण

Core Course (CC)

CC -1: हिन्दी साहित्य - आदिकाल से पूर्व मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास

Credits - 06

C-1T: हिन्दी साहित्य - आदिकाल से पूर्व मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास

Credits - 06

Course Contents:

- हिन्दी के इतिहास का काल विभाजन
- आदिकाल का नामकरण, परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ
- रासो काव्य परंपरा
- जैन साहित्य, नाथ साहित्य
- भक्ति काव्य और उसका वर्गीकरण
- निर्गुण भक्ति काव्य : स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ
- सगुण भक्ति काव्य : स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ

आदिकाल से पूर्व मध्यकाल प्रमुख कवि और रचनाएँ

- विद्यापति : विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह
 - (क) माधव, बहुत मिनति कर तोय ।
 - (ख) सैसव-जौवन दुहु मिलि गेल , खवनक पथ दुहु लोचन लेल ।
 - (ग) कुंज-भवन सँ चलि भेलि हे , रोकल गिरधारी ।
 - (घ) नव वृन्दावन नवनव तरुगन , नव नव विकसित फूल ।
 - (ङ) मधुपुर मोहन गेल रे , मोरा बिदरत छाती ।
- कबीर : कबीर ग्रंथावाली : श्यामसुन्दर दास
- पद :
 - (क) चलन चलन सब को कहत है , नाँ जाँननों बैकुंठ कहाँ है ।
 - (ख) माया तजूँ तजी नहीं जाइ , फिर फिर माया मोहि लपटाइ ।
 - (ग) मन रे तन कागद का पुतला ।
 - (घ) हरि जननी मैं बालिक तेरा , काहे न औगुण बकसहु मेरा ।
- दोहे
 - (क) सतगुरु की महिमा अनंत ।
 - (ख) ऐसी बाँणी बोलिये , मन का आपा खोइ ।
 - (ग) सुखिया सब संसार है , खाये अरू सोवै ।
 - (घ) माया तजी तौँ का भाया , मानि तजी नहीं जाइ ।

- **सूरदास : भ्रमरगीत सार – सं० रामचंद्र शुक्ल**
 - (क) आयो घोष बड़ो व्यापारी
 - (ख) अखिया हरि दरसन को भूखी
 - (ग) अलि हो ! कैसे कहाँ
 - (घ) निर्गुन कौन देस को बासी
 - (ङ) उधो ! ब्रज की दशा विचारो
- **तुलसीदास : विनयपत्रिका : तुलसीदास**
 - (क) ऐसी मूढ़ता या मन की ।
 - (ख) जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे ।
 - (ग) अबलों नसानी अब न नसैहों ।
 - (घ) ऐसे को उदार जग माहीं ।
 - (ङ) जाके प्रिय न राम बैदेही ।
- **मीराबाई : मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी**
 - (क) मण थें परस हरि रे चरण ।
 - (ख) हेरी म्हा दरद दिवाणा म्हाराँ दरद न जाण्यां ।
 - (ग) महारा री गिरधर गोपाल दूसरा णा कूया ।
 - (घ) पतियां मैं कैसे लिखूँ, लिख्योरी ण जाय ।
 - (ङ) भज मण चरण कवल अवणासी ।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
9. कबीर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
10. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
11. गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
12. हिन्दी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
13. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
14. कबीर – सं. विजेन्द्र स्नातक

15. सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
16. सूरदास – ब्रजशेखर वर्मा
17. तुलसी-काव्य-मीमांसा -स. उदयभानु सिंह
18. मीरा का काव्य – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी

CC – 2: हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास

Credits – 06

C-2T: हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल – रचनाएँ व इतिहास

Credits – 06

Course Contents:

- रीतिकाल का नामकरण
- रीतिकालीन परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ
- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ
- रीतिकालीन प्रमुख कवि और रचनाएँ
- बिहारी : बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
 - (क) मेरी भव-बाधा हरौ , राधा नागरि सोइ ।
 - (ख) तो पर वारीँ उरबसी , सुनि राधिके सुजान ।
 - (ग) कहत , नटत , रीझत , खिझत , मिलत , खिलत , लजियात ।
 - (घ) नहिं पराग नहिं मधुर मधु नहिं बिकासु इहिं काल ।
 - (ङ) मंगल बिन्दु सुरंगु , मुख ससि , केसरि आइ गुरु ।
 - (च) तंत्री- नाद , कवित् - , -
 - () या अनुरागी चित्त की गति समुझी नहिं कोइ ।
 - ()
 - () -लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ
 - ()
- घनानन्द:धनानंद कवित्त : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
 - ()
 - ()
 - ()
 - () रावरे रूप की रीति अनूप ।
 - () अति सूधो स्नेह को मारग है ।
- भूषण : भूषण ग्रंथवाली
 - () साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढ़ि ।

- ()
 ()
 () वेद राखे विदित पुराण परसिद्ध राखे ।
 ()

❖ सहायक ग्रंथ :

1. _____ - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह
3. घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा –
4. हिन्दी गीतकाव्य परम्परा और मीरा – डॉ.
5. रीतिकाव्य संग्रह – जगदीश गुप्त

CC -3: हिन्दी साहित्य - भातेन्दु युगीन कविता से छायावादी कविता तक - रचनाएँ व इतिहास

Credits- 06

C-3T: हिन्दी साहित्य - भातेन्दु युगीन कविता से छायावादी कविता तक - रचनाएँ व इतिहास

Credits- 06

Course Contents:

भातेन्दु युग (नवजागरण)

- भातेन्दु पूर्वकाव्य धारा (पीठि)
- भातेन्दुयुगीन परिवेश: _____, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवेश
- भातेन्दु युगीन काव्यधारा : _____, भक्ति भावना, _____ प्रियता, प्रकृति प्रेम, राष्ट्रीय चेतना, समस्यापूर्ति, हास्य आदि ।
- भातेन्दु युगीन कवि और रचनाएँ :
- भारतेन्दु _____ : निजभाषा उन्नति अहै ।

द्विवेदीयुग : जागरण – सुधार काल

- द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : राष्ट्रीयता, _____, नीति और आदर्श, वर्ण्य विषयों में विविधता और क्षेत्र विस्तार, हास्य-व्यंग्य संबंधी काव्य, विभिन्न काव्य रूपों का प्रयोग, छंद वैविध्य, भाषा सौष्ठव आदि ।
- द्विवेदीयुगीन कवि और रचनाएँ :

- अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : प्रार्थना ।
- लीशरण गुप्त :

छायावादी युग

- : नामकरण का आधार और परिवेश
- छायावाद युगीन कविता की प्रमुख धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ

छायावादी युगीन राष्ट्रीय – सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवि

- माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा की रचनाएँ

- जयशंकर प्रसाद : हिमाद्रि तृंगशृंग से ,पेशोला की प्रतिध्वनि ।
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : तोड़ती पत्थर , भिक्षुक ।
- सुमित्रा नन्दन पंत :
- महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुख की बदली , -धीरे उतर क्षितिज से ।

❖ सन्दर्भ ग्रंथ :

1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण : डॉ रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : डॉ रामविलास शर्मा
3. की समस्याएँ : डॉ रामविलास शर्मा
4. जयशंकर प्रसाद - नन्दुलारे वाजपेयी
5. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन – नगेन्द्र
6. निराला की साहित्य साधना (भाग-2) – रामविलास शर्मा
7. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र – कृष्णदत्त पालीवाल
8. जयशंकर प्रसाद - प्रेमशंकर
9. : आत्महंता आस्था –
10. -
11. - परमानंद श्रीवास्तव

CC -4: हिन्दी साहित्य - प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक- रचनाएँ व इतिहास

Credits - 06

C-4T: हिन्दी साहित्य - प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक- रचनाएँ व इतिहास

Credits - 06

Course Contents:

- छायावादोत्तर काव्य परिदृश्य और छायावादोत्तर कविता की भूमिका।
- छायावादोत्तर काव्य धारा : प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवादी काव्य धारा प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवादी काव्य धारा प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ
- : ऐतिहासिक परिदृश्य, काव्य प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि
- समकालीन कविता के प्रमुख कवि और रचनाएँ
- नागार्जुन : , न की बंद
- अज्ञेय : नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की।
- :
- केदारनाथ अग्रवाल:

❖ सहायक ग्रंथ

1. कविता के नए प्रतिमान –
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
3. आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. समकालीन काव्य यात्रा – नन्दकिशोर नवल
5. :
6. : स्वरूप और समस्याएँ - जगदीश गुप्त
7. आधुनिक कविता यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन – केदार शर्मा
9. नागार्जुन की कविता– अ
10. नागार्जुन का रचना- -
11. नई कविता और उसका मूल्यांकन - सुरेशचंद्र सहल
12. नागार्जुन: मूल्यांकन/ पुनर्मूल्यांकन – स. परमानन्द श्रीवास्तव

CC-5: कथा साहित्य- कहानी एवं उपन्यास

Credits - 06

C-5T: कथा साहित्य- कहानी एवं उपन्यास

Credits - 06

Course Contents:

कहानी

- : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- : प्रेमचंद
- पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद
- :
- : अज्ञेय
- मैं हार गयी : मन्नू भंडारी

उपन्यास

- : प्रेमचंद
- : श्रीलाल शुक्ल
- पचपन खंबे लाल दीवारें : ऊषा प्रियंबदा

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. : -
2. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
3. हिन्दी कहानी का इतिहास – गं
4. हिन्दी कहानी : अ – रामदरश मिश्र
5. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा – परमानंद श्रीवास्तव
6. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
7. : - विश्वनाथ त्रिपाठी
8. हिन्दी कहानी का का -
9. हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा यात्रा – रामदरश मिश्र
10. प्रेमचंद – र . . सत्येन्द्र
11. उपन्यास का शिल्प – र
12. हिन्दी उपन्यास की विकास - मधुरेश

CC-6: हिन्दी नाट्यसाहित्य

Credits – 06

C-6T: हिन्दी नाट्यसाहित्य

Credits – 06

Course Contents:

नाटक

- : भारतेन्दु हरिश्चंद्र
- :
- आठवाँ सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा

एकांकी

- : रामकुमार वर्मा
- : उपेन्द्रनाथ अश्क

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – सं. ३
2. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास –
3. प्रसाद के नाटक : स्वरूप – गोविन्द चातक
4. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
5. नई रंगचेतना और हिन्दी नाटककार – ३
6. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र
7. एकांकी कला – . रामकुमार वर्मा
8. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा

CC-7: कथेतर गद्य साहित्य

Credits – 06

C-7T: कथेतर गद्य साहित्य

Credits – 06

Course Contents:

- निबंध की परिभाषा : स्वरूप एवं वैविध्य

❖ **निबंध**

- प्र्या : रामचन्द्र शुक्ल
- नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी

- ये हैं प्रोफेसर शशांक : विष्णुकांत शास्त्री
- पगडंडियों का जमाना : हरिशंकर परिसाई
- ❖ जीवनी की परिभाषा : स्वरूप एवं वैशिष्ट्य
- ❖ कथेतर गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ : डा. , रेखाचित्र, पत्र , रिपोतार्ज
- ❖ सहायक ग्रंथ:
 1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
 2. हिन्दी आत्मकथा : सिद्धान्त और स्वरूप-विलेप – विनीता अग्रवाल
 3. हिन्दी निबंध उद्भव और विकास - हरिचरण शर्मा
 4. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य का साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
 5. हिन्दी निबंध और निबंधकार – रामचंद्र तिवारी

CC- 8: हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास

Credits - 06

C-8T: हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास

Credits - 06

Course Contents:

- हिन्दी कथा साहित्य का : भारतेन्दु से अद्यतन ।
- हिन्दी नाट्य साहित्य का वि : भारतेन्दु से अद्यतन ।
- हिन्दी निबंध साहित्य का विका : भारतेन्दु से अद्यतन ।
- हिन्दी की कथेतर विधाओं का वि : , संस्मरण, यात्रा वृत्तांत

❖ सहायक ग्रंथ :

1. भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
2. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
3. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. आधुनिक साहित्य – नंददु
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपति चंद्र गुप्त

CC-9: हिन्दी आलोचना

Credits - 06

C-9T: हिन्दी आलोचना

Credits - 06

Course Contents

- हिन्दी आलोचना की पृष्ठभूमि, परम्परा ;
- भातेन्दुयुगीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना, शुक्लयुगीन आलोचना
- हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना दृष्टि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल,
. हजारीप्रसाद द्विवेदी,
. नन्ददुलारे वाजपेयी,
. रामविलास शर्मा,
. नगेन्द्र

❖ सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी आलोचना के वैचारिक सरोकार - डॉ कृष्णदत्त पालीवाल
2. आस्था के चरण - नगेन्द्र
3. - देवीशंकर अवस्थी
4. हिन्दी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार - रामचंद्र तिवारी
5. हिन्दी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
6. हिन्दी आलोचना का विकास - मधु
7. हिन्दी आलोचना का विकास - नन्द

CC - 10: हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान

Credits - 06

CC - 10: हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान

Credits - 06

Course Contents:

- : परिभाषा, स्वरूप और प्रवृत्तियाँ
-
- हिन्दी भाषा की विविध बोलियाँ
- हिन्दी का मानकीकरण
- ध्वनि : परिभाषा और हिन्दी स्वर और व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण

- वाक्य : परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व और संरचना के आधार पर वर्गीकरण।
- अर्थ : परिभाषा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
- , देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – उदर
2. – रामविलास शर्मा
3. भाषा विज्ञान –
4. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
5. हिन्दी भाषा – डॉ.

CC –11: भारतीय काव्यशास्त्र

Credits - 06

C-11T: भारतीय काव्यशास्त्र

Credits - 06

Course Contents:

भारतीय काव्यशास्त्र

- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का सामान्य परिचय
- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्र
- रस सिद्धांत : र का स्वरूप और भे , निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि के भेद
- अलंकार सिद्धांत: परिभाषा, लक्षण,
- रीति सिद्धांत: रीति का अर्थ, ;
- वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद
- औचित्य सिद्धांत : औचित्य की अवधारणा

❖ सहायक ग्रंथ

1. काव्य दर्पण – रामदहिन मिश्र
2. – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. रस सिद्धांत – नगेन्द्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र : – सत्यदेव चौधरी
5. कव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र

CC-12: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Credits - 06

C-12T: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Credits - 06

Course Contents:

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो : काव्य संबंधी अवधारणाएँ
- अरस्तू : , चन संबंधी सिद्धांत
- लॉजाइनस : उदात्त सिद्धांत ।
- वर्ड्सवर्थ : काव्य-भाषा का सिद्धांत ।
- क्रोचे : अभिव्यंज
- . . . : परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत ।
- . . . रिचर्ड्स : संप्रेषण सिद्धांत ।
- वाद और सिद्धांत : स्वच्छंदतावाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, उत्तरआधुनिकता ।
- कल्पना, बिम्ब और फैंटे

❖ **सहायक ग्रंथ**

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ शांति स्वरूप गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन – निर्मला जैन
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - इति , सिद्धांत और वाद - डॉ भागीरथ मिश्र

CC-13: मीडिया के विविध आयाम

Credits - 06

C-13T: मीडिया के विविध आयाम

Credits - 06

Course Contents:

- : स्वाधीनता पूर्व और स्वाधीनता के बाद का मीडिया
- मीडिया के विविध रूप और उनकी उपयोगिता
- () प्रिन्ट मीडिया
- () इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : टेली , रेडियो और फिल्में ।

- न्यूमीडिया : अभिप्राय, विविध रूप, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव ।
- मीडिया लेखन के सृजनात्मक आयाम : संपादकीय लेखन, फीचर लेखन ।
- मीडिया और हिन्दी भाषा : समाचार पत्रों की भाषा, टेलीविजन की भाषा, रेडियो की भाषा, सोशल मीडिया की भाषा ।
- विज्ञापन : स्वरूप, उद्देश्य और महत्व ।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार - डॉ. वि. कुलश्रे
2. जनसंचार माध्यम - बृजमोहन गुप्त
3. जनमाध्यम - सम्प्रेषण और विकास - देवेन्द्र इस्सर
4. हिन्दी पत्रकारिकता - कल
5. पत्र सम्पादन कला - नन्द किशोर त्रिखा

CC-14: प्रयोजनमूलक हिन्दी

Credits - 06

C-14T: प्रयोजनमूलक हिन्दी

Credits - 06

Course Contents:

- प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और संभावनाएँ
 - () प्रयोजनमूलक हिन्दी : अभिप्राय एवं विशेषताएँ
 - () प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं साहित्यिक हिन्दी में अंतर
 - () रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिन्दी की संभावनाएँ
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति एवं क्षेत्र
 - () कार्याकाली हिन्दी
 - () तकनीकी हिन्दी
 - () व्यावसायिक हिन्दी
 - () संचार माध्यम हिन्दी
- कंप्यूटर की हिन्दी
- पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ एवं स्वरूप, 100 पारिभाषिक शब्दावली
- पत्र लेखन : सरकारी पत्राचार, अर्द्ध सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-ले
- जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन : जनसंचार की परिभाषा, समाचार की परिभाषा
- : अनुवाद के प्रकार, कार्याल अनुवाद की समस्याएँ ।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका – कैलाश नाथ पाण्डेय
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग – दंगल झाल्टे
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप – राजेन्द्र मिश्र
7. राजभाषा हिन्दी – कैलाश चन्द्र भाटिया
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विश्वनाथ अय्यर

Discipline Specific Elective (DSE)

DSE – 1 : लोक साहित्य

Credits - 06

DSE –1T : लोक साहित्य

Credits - 06

Course Contents:

- साहित्य : परिभाषा और स्वरूप
- लोक साहित्य संकलन : उद्देश्य, पद्धतियाँ, समस्याएँ और समाधान
- लोक साहित्य के लोक तत्व
- लोककथा का स्वरूप और महत्व
- लोक गीत का स्वरूप और महत्व
- लोक नाट्य : नौटंकी, कीर्तनियाँ, राम लीला, स्वांग, यक्षगान, यात्रा आदि।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद – बद्रीनारायण
2. लोक साहित्य और लोक संस्कृति – डॉ रामनिवास शर्मा
3. भारतीय लोक साहित्य : परम्परा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा
4. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ कृष्णदेव उपध्याय
5. लोक सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ श्रीराम शर्मा
6. लोक साहित्य का अध्ययन –
7. भारतीय लोक विश्वास – डॉ कृष्णदेव उपध्याय

DSE –2: राष्ट्रीय चेतना की कविता

Credits - 06

DSE –2T: राष्ट्रीय चेतना की कविता

Credits - 06

Course Contents:

- राष्ट्रीय चेतना : परिभाषा और स्वरूप
- राष्ट्रीय चेतना की कविता का तात्विक विवेचन
- राष्ट्रीय चेतना की कविता में देश प्रेम के विविध आयाम
- हिन्दी साहित्य के विविध युगों में राष्ट्रीय चेतना का विकास
- हिन्दी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवि : भातेन्दु हरिश्चंद्र, मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', सुभद्रा कुमारी चौहान, रामनरेश त्रिपाठी, जयशंकर प्रसाद आदि।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. -मैथिलीशरण गुप्त, प्रभाकर श्रेत्रिय
2. जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी
3. भातेन्दु हरिश्चंद्र - रामविलास शर्मा
4. , प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त - ;
5. हरिऔध और उनका साहित्य - मुकुंद देव शर्मा
6. राष्ट्रीय नवजागरण और भारतीय साहित्य - वीर भ

DSE-3: राजभाषा हिन्दी

Credits - 06

DSE-3T: राजभाषा हिन्दी

Credits - 06

Course Contents:

- हिन्दी भाषा के विविध रूप : बोल , , , राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा आदि।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 345 में हिन्दी की स्थिति
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 349 351 में हिन्दी की स्थिति और प्रयोग व्यवस्था
- हिन्दी के संपर्क में राष्ट्रपति के आदेशों की समीक्षा
- वर्तमान समय में राजभाषा हिन्दी की स्थिति और अपेक्षा

❖ सहायक ग्रंथ :

1. राजभाषा हिन्दी : विवेचन और प्रयुक्ति - किशोर गोस्वामी
2. राजभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदोलन का इतिहास - उदयन
3. मानक हिन्दी का स्वरूप -
4. प्रशासन में राजभाषा हिन्दी - कैलाशचंद्र भाटिया
5. कार्यालयी हिन्दी - विज

DSE – 4: प्रवासी साहित्य

Credits - 06

DSE-4T: प्रवासी साहित्य

Credits - 06

Course Contents:

- प्रवासी साहित्य : सामान्य परिचय, प्रवासी साहित्यकारों का हिन्दी साहित्य के विकास में
- उपन्यास
 - () अभिमन्यु उ :
 - () : - -
- कहानियाँ
 - () तेजेन्द्र शर्मा :
 - () :
 - () सुधा ओम ढींगरा :
 - () पूर्णिमा बर्मन : यों ही चलते हुए
 - () अनिल प्रभा कुमार : बेमौसम की बर्फ

❖ सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी का प्रवासी साहित्य –डॉ.कमाल
2. प्रवासी साहित्य - महेन्द्र दवेसर दीपक
3. वैश्विक रचनाकर: कुछ मूलभूत जिज्ञासाएँ -सुधाओम ढींगरा
4. प्रवासी कथा विशेषांक - ३
5. गर्भनाल – प्रवासी भारतीयों की ई- मासिक ई पत्रिका
6. प्रवासीहिन्दी लेखन की पृष्ठभूमि और उसका स्वरूप –डॉ. कृष्ण कुमार(वर्तमान साहित्य का प्रवासी) - , 2006)

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC –1: अनुवाद कौशल

Credits - 02

SEC –1T: अनुवाद कौशल

Credits - 02

Course Contents:

- का अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र
- भाषाशिक्षण और अनुवाद
- अनुवाद की प्रयोजनीयता
- अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण : विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन

❖ सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा -
2. - . . विश्वनाथ अय्यर
3. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग - जी.गे
4. अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त और समस्याएँ - सं.नगेन्द्र
5. अनुवाद प्रक्रिया - री.
6. : सिद्धान्त और समस्याएँ - रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव , कृष्णकुमार गोस्वामी

SEC - 2: कार्यालयी हिन्दी

Credits – 02

SEC-2T: कार्यालयी हिन्दी

Credits – 02

Course Contents:

- कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप
- कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र
- कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप
- कार्यालयी हिन्दी की समस्याएँ
- कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली

❖ सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - कृष्ण कुमार गोस्वामी
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय

Generic Elective (GE)
(Interdisciplinary for other Department)

GE-1 : साहित्य और सिनेमा

Credits - 06

GE-1T : साहित्य और सिनेमा

Credits - 06

Course Contents:

- साहित्य का अर्थ और क्षेत्र
- साहित्य की विधाएँ : कहानी, उपन्यास और नाटक आदि।
- साहित्य के उपकरण : शिल्प और संवेदना
- हिन्दी सिनेमा का इतिहास
- हिन्दी सिनेमा में प्रमुख पौराणिक, ऐतिहासिक साहित्यिक कृतियों का उपयोग
- साहित्य और सिनेमा अंतसंबंध
- साहित्य और सिनेमा में समानता एवं अंतर
- फिल्म समीक्षा : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, श्री इंडियट, मुन्ना भाई एम.

❖ सहायक ग्रंथ :

1. साहित्य- ह
2. ' ' पत्रिका - फिल्म विशेषांक
3. सिनेमा और संस्कृति - राही
4. जनमाध्यम सैद्धांतिकी - जगदीश्वर चतुर्वेदी

GE-2: लोक नाट्य परंपरा और हिन्दी

Credits - 06

GE-2T: लोक नाट्य परंपरा और हिन्दी

Credits - 06

Course Contents:

- भारतीय संस्कृति : अ
- लोक का अर्थ, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति
- , लोक रंगमंच एवं आभिजात्य या भाषायी रंगमंच का स्वरूप
- हिन्दी क्षेत्र के लोकनाट्य रूप
() धार्मिक लोक नाट्य : राम ,
() : नौटंकी, , , , ख्याल, स्वांग आदि ।
- भारतीय राष्ट्रीय संस्कृति के निर्माण में लोकनाट्यों की भूमिका ।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी नाट्य उद्भव और विकास - दशरथ
2. पारंपरिक नाट्य - जगदीश चंद्र माथुर, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
3. - श्याम परमार
4. लोक नाट्य पम्परा और प्रवृत्तियाँ - डॉ. महेंद्र भानावत
5. : , पहचान एवं प्रवाह - श्याम सुन्दर दुबे
6. नाट्यकाव्यलोचन के सिद्धांत - सिद्धनाथ कुमार
7. नाट्यशास्त्र और रंगमंच -
8. संस्कृति के चार अध्याय -र

GE-3: सृजनात्मक लेखन

Credits - 06

GE-3T: सृजनात्मक लेखन

Credits - 06

Course Contents:

- सृजनात्मकता का अर्थ और परिभाषा
- सृजनात्मक लेखन का अर्थ, परिभाषा व स्वरूप
- सृजनात्मक लेखन के तत्व

- सृजनात्मक लेखन के विविध रूप : कविता, नाटक, फिल्म संवाद, कार्टून, संस्मरण, रेखाचित्र आदि।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. रचनात्मक लेखन -
2. रचनात्मक लेखन -
3. सृजनात्मक लेखन - राजेन्द्र मिश्र
4. संचार भाषा हिन्दी - सूर्यप्रसाद दीक्षित

GE- 4: पटकथा और संवाद लेखन

Credits - 06

GE- 4T: पटकथा और संवाद लेखन

Credits - 06

Course Contents:

- पटकथा का अर्थ और परिभाषा, पटकथा लेखन में प्रतिभा, कल्पना और अभ्यास/ परिश्रम का महत्व
-
- संवाद का अर्थ और पथकथा से संवाद का संबंध।
- पटकथा लेखन का स्वरूप : प्रस्थान बिन्दु अर्थात् प्रस्तावना, संघर्ष और समाधान।
- -सूत्र अर्थात् प्रारंभ, मध्यभाग और अंत।
- फिल्मांकन की
- : संवाद और संगीत ध्वनि का अंत :

❖ सहायक ग्रंथ:

1. - मनोहर श्याम जोशी
2. पटकथा कैसे लिखें - राजेन्द्र पाण्डेय
3. - मन्नु भंडारी

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

AECC - MIL

MIL (HINDI): हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण

Credits - 02

Course Contents:

- हिन्दी व्याकरण – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं अव्यय का परिचय ।
- उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, पल्लव संक्षेपण ।
- सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व ।
- सम्प्रेषण के प्रकार ।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी व्याकरण – कमाताप्रसाद गुरु
2. हिन्दी शब्दानुशासन – कि.
3. हिन्दी व्याकरण – एन.
4. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
5. हिन्दी – बद्रीनाथ कपूर
6. हिन्दी मुहावरे – श्री ब्रह्मस्वरूप दिनकर शर्मा
